RAJHIN/2014/55262

sancharjagat.com



संचार जगत

दैनिक समाचार पत्र

sancharjagat.com

sancharjagatkhabar@gmail.com

वह अनमोल वचन हैं, जो हमारी सोच को सकारात्मक बनाते और जीवन को सही दिशा दिखाते हैं।

वर्ष: 13 | अंक: 246 जयपुर, सोमवार, 05 अक्टूबर , 2026 मूल्य: 2.00 रूपए पृष्ठ : 4

गोडावण री-वाइल्डिंग एवियरी का हुआ उद्घाटन

प्रकृति की रक्षा यानी स्वयं की सुरक्षा

मुख्यमंत्रीने वन्यजीव और पर्यावरण संरक्षण का किया आह्वान

संचार जगत



जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गोडावण राजस्थान की प्राकृतिक धरोहर के साथ ही प्रदेश की जैव विविधता का महत्वपूर्ण प्रतीक है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से गोडावण के संरक्षण में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि गोडावण के लिए प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप भव्य पक्षीगृह के निर्माण के लिए राज्य सरकार ने 9.25 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया। उन्होंने कहा कि यह संरचना भारत में अपनी तरह की अनूठी पहल है, जो गोडावण को खुले प्राकृतिक आवास में पुनर्स्थापित करने से पहले अनुकूलन का अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रामदेवरा में नवनिर्मित गोडावण री-वाइल्डिंग एवियरी (पुनर्स्थापन पक्षी गृह) के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गोडावण के संरक्षण की यह पहल प्रदेश के लिए गौरव का अवसर है तथा इससे गोडावण संरक्षण को नई उडान मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गोडावण के साथ-साथ राजस्थान की समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और 'हरियालो राजस्थान' के तहत प्रदेश में 29 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। वन एवं वन्यजीव संरक्षण में सहयोग के लिए 38 हजार 622 वन मित्रों का पंजीयन किया गया है तथा अजमेर के सौंखनिया क्षेत्र में खरमोर पक्षी के संरक्षण के लिए बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के साथ एमओयू भी किया गया है। उदयपुर शहर को रामसर वेटलैंड सिटी घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए 10 अंतरराज्यीय जल समझौतों में से 4 राजस्थान से संबंधित हैं। कभी असंभव माने जाने वाले इन कार्यों को प्रधानमंत्री के नेतृत्व में धरातल पर साकार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मरुधरा की 'हरियालो राजस्थान' के साथ ही पानी से भरपूर प्रदेश के रूप में भी पहचानी बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति में कहा गया है कि यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे तो प्रकृति हमारी रक्षा करेगी। गोडावण का संरक्षण केवल एक प्रजाति को बचाना नहीं है, बल्कि संपूर्ण थार के पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण और वन्यजीवों के संरक्षण के साथ विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर रहने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे गोडावण को मरुधरा के खुले आसमान में सुरक्षित और स्वच्छंद उड़ान भरते देखने के मिशन में अपना योगदान देने का संकल्प लें। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि पूरा थार क्षेत्र गोडावण से भावनात्मक एवं सांस्कृतिक रूप से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में गोडावण संरक्षण के क्षेत्र में हासिल प्रगति आज वैश्विक स्तर पर एक उदाहरण बन चुकी है। गोडावण संरक्षण कार्यक्रम की सफलता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच और केंद्र एवं राज्य सरकारों, वैज्ञानिकों, वन विभाग तथा स्थानीय समुदायों के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री ने कहा कि गोडावण थार पारिस्थितिकी तंत्र की अम्ब्रेला स्पीशीज है और इसका संरक्षण घासभूमियों के संरक्षण, भूमि क्षरण को रोकने तथा मध्य एशियाई फ्लाईवे में प्रवासी पक्षियों के महत्वपूर्ण पड़ावों के संरक्षण में भी योगदान देगा। उन्होंने कहा कि गोडावण संरक्षण के पर्यावरणीय लाभों के साथ ही स्थानीय समुदायों को इको-टूरिज्म के माध्यम से आर्थिक लाभ भी प्राप्त होंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार एवं भारतीय वन्यजीव संस्थान के संयुक्त प्रयासों से जैसलमेर के सम और रामदेवरा प्रजनन केंद्रों में हमारे पास 97 गोडावण मौजूद हैं।

बीजेपी का बताया हथियार, मांगा इस्तीफा

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ ठाकरे ब्रदर्स उतरे सड़कों पर

संचार जगत



मुंबई। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने जॉइंट प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला। उद्धव की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुए स्ट्रक्र को रद्द किया जाए। सरकार किसकी बनेगी, ये फैसला जनता को तय करना है, चुनाव आयोग को नहीं। वहीं उद्धव बोले कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी का हथियार हैं। महाराष्ट्र में स्ट्रक्र प्रक्रिया रद्द की जाए: हमारी मांग है कि महाराष्ट्र में की गई पूरी स्ट्रक्र प्रक्रिया रद्द की जाए। कानून के मुताबिक, स्ट्रक्रकिसी आपात स्थिति में की जाती है। विधानसभा चुनाव के दौरान 40 से 60 लाख मतदाताओं के नाम जोड़े गए और इसके जरिए सत्ता हासिल की गई। अब स्ट्रक्र के जरिए 2 करोड़ लोगों को हटाया जा रहा है। ये 2 करोड़ मतदाता कौन हैं? हमारी किसी से व्यक्तिगत नाराजगी नहीं है: हमारा विरोध इस बात को लेकर है कि आप सरकार कैसे चला रहे हैं और सत्ता का इस्तेमाल किस तरह कर रहे हैं।

सरकार कौन बनाएगा और सरकार कैसे चलेगी, इसका फैसला जनता और मतदाताओं को करना चाहिए। इसका फैसला चुनाव आयोग को नहीं करना चाहिए। करोड़ों लोगों के नाम वोटर्स लिस्ट से हटाए गए: देशभर में 13 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। बंगाल और तमिलनाडु में भी मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। पश्चिम बंगाल में अभी उपचुनाव हो रहा है और लोग अपने वोट देने के अधिकार की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। सुप्रीम कोर्ट कहता है कि यह सिर्फ उपचुनाव है, इससे क्या फर्क पड़ता है?

अब राहुल गांधी ने बिहार में बाढ़ का उठाया मसला,सरकार को घेरा

संचार जगत



नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार में बाढ़ की भयावह स्थिति को लेकर केंद्र और राज्य की भाजपा की डबल इंजन सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'बिहार में बाढ़ फिर कहर बनकर टूटी है। लाखों लोग प्रभावित हैं, सैकड़ों गांव डूबे हुए हैं। कई लोगों की मौत और लापता होने की खबर है।

जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है।' उन्होंने लिखा, 'सबसे दुखद बात यह है कि बिहार में यह संकट नया नहीं है। हर साल बाढ़ आती है, मौतें होती हैं, परिवार उजड़ते हैं और लोग पलायन करते हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकार बताए कि पिछले 17 साल में इस सालाना त्रासदी से निपटने के लिए क्या किया? जमीन पर क्या बदला? बिहार के लोगों को हर साल राहत और आश्वासन नहीं, स्थायी समाधान चाहिए। राहुल गांधी के इस पोस्ट के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है।

विपक्ष लगातार बिहार सरकार और केंद्र सरकार पर बाढ़ प्रबंधन को लेकर सवाल उठा रहा है। बिहार में कोसी, गंडक और बागमती नदियों में उफान के कारण सुपौल, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में स्थिति गंभीर बनी हुई है। कांग्रेस का कहना है कि पिछले 17 साल से बिहार में अधिकतर समय एनडीए की सरकार रही है, बावजूद इसके बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस योजना धरातल पर नहीं उतर पाई।

सेवा सेतु अभियान-2026

शहरी नागरिकों को भी तुरंत मिलेगा सेवाओं का लाभ

संचार जगत



जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की सुशासन एवं जनसेवा की सोच के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा शहरी नागरिकों को विभिन्न सेवाओं का त्वरित लाभ उपलब्ध कराने, जनसमस्याओं का मौके पर ही समाधान करने तथा शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से 'सेवा सेतु अभियान-2026' आयोजित किया जा रहा है। अभियान के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 7 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2026 तक प्राधिकरण परिसर स्थित नागरिक सेवा केन्द्र में जोनवार सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य शहरी नागरिकों को विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनसे संबंधित प्रकरणों का मौके पर ही यथासंभव त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करना है। शिविरों में नागरिक अपने संबंधित प्रकरणों के संबंध में अधिकारियों से सीधे संपर्क कर सेवाओं एवं समस्याओं के समाधान का लाभ ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि नागरिक सेवा केन्द्र में आयोजित होने वाले शिविर प्रात: 9:30 बजे से सायं 6:00 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। अभियान के दौरान संबंधित जोन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों का यथासंभव शिविर दिवस पर ही निस्तारण किया जाएगा। संबंधित उपायुक्त द्वारा प्राप्त आवेदनों एवं उनके निस्तारण की अद्यतन सूचना एवं प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जाएगी।

यूपी में बारिश तो रूकी, नदियां अब भी उफान पर

संचार जगत

लखनऊ। यूपी में बारिश रुक गई है, लेकिन नदियां अब भी उफान पर हैं। 11 जिलों में 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से 40 हजार से ज्यादा घरों में पानी घुस गया है। 10 हजार लोग घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर चले गए हैं। गलियों में नावें चल रही हैं। बिहार में बाढ़ से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें सारण में बाढ़ के पानी में डूबने से 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि 20 से ज्यादा लोग लापता हैं। सीवान में बाढ़ के पानी में डूबने से 6 बच्चों की मौत हो गई। राजस्थान से करीब 3 दिन की देरी से शनिवार को मानसून पूरी तरह विदा हो गया। मानसून की विदाई के साथ ही राज्य में गर्मी भी बढ़ने लगी है। पिलानी (झुंझुनूं) में शनिवार को दिन का तापमान 41एष्ट के पार पहुंच गया। मध्य प्रदेश से भी शनिवार को मानसून की विदाई हो गई।

बात सीट की नहीं, जीत की है

अखिलेश ने गठबंधन को दिया संदेश

संचार जगत



लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच बड़ा संदेश देते हुए कहा है कि बात इस बात की नहीं है कि गठबंधन में कितनी सीटें या कौन सी सीट किसके पास जा रही है, बल्कि सबसे महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना है कि जीत गठबंधन की हो। सपा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि 'मक़सद जब साफ़ हो तो हाथ-में-हाथ होता है, निगाह मंज़िल पर हो तो सफ़र आसान होता है!' उन्होंने कहा, 'बात बड़ी ये नहीं है कि गठबंधन में कितनी सीटें या कौन सी सीट किसके पास जा रही है बात बड़ी ये है कि हम सबको ये सुनिश्चित करना है कि जीत गठबंधन की हो।' सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दोहराया, 'हम फिर दोहराते हैं : बात सीट की नहीं जीत की है।' उन्होंने कहा कि यह जीत गठबंधन के दलों से बढ़कर सभी की उस संयुक्त कोशिश की जीत होगी, जो साम्प्रदायिकता के खिलाफ संघर्ष कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा, 'ये जीत हमारे गठबंधन के दलों से बढ़कर हम सबकी उस संयुक्त कोशिश की जीत होगी जो इसलिए लगातार संघर्षरत है कि साम्प्रदायिकता फिर कभी सिर न उठा सके और लोकतंत्र-संविधान-आरक्षण पर भाजपाई आंच न आए और देश का सौहार्द फिर से खिलखिलाए, देश की तरक्की और खुशहाली फिर से मुस्कुराए।' उन्होंने कहा, 'जय संविधान-जय हिंदुस्तान! अखिलेश ने कहा कि यह बात मायने नहीं रखती कि कौन सी सीट किसके पास जा रही है,

पाकिस्तानी एजेंट के हनीट्रैप में फंसा नेवी जवान

संचार जगत

कोयंबटूर। आंध्र प्रदेश पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस सेल ने इंडियन नेवी के जवान प्रदीप मुखर्जी को कोयंबटूर से गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तानी महिला खुफिया एजेंट को डिफेंस की सेंसिटिव जानकारी देने का आरोप है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, एजेंट ने जवान को हनीट्रैप में फंसाया था। प्रदीप कोयंबटूर के रेड फील्ड्स स्थित इंडियन नेवल शिप अग्रणी में मैनेजमेंट डेवलपमेंट कोर्स कर रहे थे। कुछ महीने पहले महिला एजेंट ने सोशल मीडिया के जरिए प्रदीप से संपर्क किया था। उसने धीरे-धीरे उनसे दोस्ती बढ़ाई और विशाखापट्टनम नेवल बेस से जुड़ी जानकारी ली। काउंटर इंटेलिजेंस की स्पेशल टीम शनिवार सुबह ढ्ढह्स्-अग्रणी पहुंची और प्रदीप को हिरासत में ले लिया।

24 साल बाद लड़कों से आगे हुई भारत की लड़कियां

एशियन गेम्स में 4 गोल्ड ज्यादा जीते; शूटिंग-एथलेटिक्स में इस बार 9 स्वर्ण का नुकसान

संचार जगत

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत का अभियान पूरा हो चुका है। आखिरी दिन घुड़सवारी के दो गोल्ड मेडल इवेंट हैं लेकिन इनमें कोई भारतीय खिलाड़ी शिरकत नहीं कर रहा है। भारत ने जापान के आइची-नागोया में 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते हैं। उज्बेकिस्तान ने भी भारत के बराबर ही गोल्ड जीते हैं लेकिन ज्यादा सिल्वर के आधार पर भारत चौथे स्थान पर है। रविवार को अगर उज्बेकिस्तान कोई गोल्ड नहीं जीतता है तो भारत चौथे स्थान पर ही फिनिश करेगा।

2002 के बाद पहली बार भारत की लड़कियों को ज्यादा मेडल

भारत ने इस बार लड़कियों के इवेंट में 11 तो लड़कों के इवेंट में 7 गोल्ड जीते। 3 गोल्ड मिक्स्ड इवेंट में आए। इससे पहले 2002 में बुसान में हुए एशियन गेम्स में भारत की लड़कियां आगे रही थीं। तब भारत ने लड़कियों के इवेंट में 6 और लड़कों के इवेंट में 5 गोल्ड जीते थे।



बॉक्सिंग, रेसलिंग में बेहतर हुआ प्रदर्शन, शूटिंग-एथलेटिक्स में पिछड़े

भारत ने 2023 में चीन के ग्वांगझू में हुए एशियन गेम्स में 28 गोल्ड के साथ 106 मेडल जीते थे। तब भारत ने शूटिंग में 7 और एथलेटिक्स में 6 गोल्ड जीते थे। इस बार शूटिंग में 3 और एथलेटिक्स में 1 ही गोल्ड आया। यानी इन दो खेलों में ही भारत को 9 गोल्ड का नुकसान हो गया। भारत ने पिछली बार स्कॉश में 2 और टेनिस, बैडमिंटन और घुड़सवारी में 1-1 गोल्ड जीता था। इन खेलों में इस बार भारत को कोई गोल्ड नहीं मिला। बॉक्सिंग और रेसिलिंग में अच्छे प्रदर्शन ने कुछ हद तक गोल्ड में कमी की भरपाई की है। पिछली बार भारत को इन दोनों खेलों में एक भी गोल्ड नहीं मिला था। इस बार बॉक्सिंग में 3 और रेसलिंग में 2 गोल्ड आए हैं।

हॉकी में गोल्ड के साथ 2 ओलिंपिक टिकट भी

टीम इवेंट्स में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों के गोल्ड मेडल जीते हैं। हॉकी में एशियाड गोल्ड जीतने पर सीधे ओलिंपिक का टिकट मिलता है, लिहाजा भारत की दोनों हॉकी टीम लॉस एंजिल्स में होने वाले 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर गई है। यह पहला मौका है जब भारत की दोनों वर्गों की हॉकी टीमों ने एक ही इवेंट में गोल्ड जीता है।

राज्यसभा के लिए बीजेपी ने जारी की लिस्ट

कोयल मल्लिक को बंगाल और दिनेश आर्य को उत्तराखंड से बनाया प्रत्याशी

संचार जगत

नई दिल्ली। बीजेपी ने राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए पश्चिम बंगाल से कोयल मल्लिक और उत्तराखंड से दिनेश आर्य को उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही पार्टी ने महाराष्ट्र विधान परिषद की तीन सीटों के लिए भी प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं। बीजेपी ने राज्य सभा चुनाव 2026 के लिए अपने दो प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया है। पार्टी ने पश्चिम बंगाल से कोयल मल्लिक और उत्तराखंड से दिनेश आर्य को टिकट दिया है। दरअसल, राज्य सभा की 12 सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान होगा। इसमें यूपी की 10, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट है। पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड की राज्य सभा सीट पर बीजेपी की जीत मानी जा रही है। वहीं अब माना जा रहा है कि पार्टी जल्द ही यूपी की 10 सीटों के लिए अपने प्रत्याशियों के नाम का जल्द ऐलान कर सकती है। बीजेपी ने दिनेश आर्य को उत्तराखंड से प्रत्याशी बनाया है। उत्तराखंड में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है। आर्य को प्रत्याशी बनाया जाना आगामी विधानसभा चुनाव के लिए काफी अहम माना जा रहा है।

कोयल मल्लिक को मिला इनाम

ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस से बीजेपी में शामिल होने वाली कोयल मल्लिक को बंगाल से प्रत्याशी बनाया है। बता दें वे पहले टीएमसी के टिकट पर राज्य सभा सांसद चुनी गई थीं।

सम्पादकीय
कहीं पे निगाहें कहीं पे निशाना

ज्ञानेश कुमार का नाम आज सड़क पर है. धरना है, मार्च है, हंगामा है. कॉकरोच पार्टी नया मोर्चा खोले हुए है. केजरीवाल की टीम जंतर मंतर पर थी. कांग्रेस सफेद ड्रेस में थी. लेकिन सवाल ये है कि क्या ज्ञानेश कुमार बहाना हैं. निशाना चुनाव आयुक्त नहीं है. हकीकत यह है कि कांड्रेस नरेंद्र मोदी की राजनीति को घेरकर राहुल गांधी की राजनीति को बचाने का अंतिम प्रयास कर रही है---दूसरी ओर अखिलेश यादव हो या फिर अरविंद केजरीवाल ये दोनों मोदी विरोध का तो झंडा उठा, हु, हैं---- दरअसल ज्ञानेश कुमार तो उनके लि, ,क दरअसल उनका मकसद तो राहुल झंधी की पॉलिटिक्स को निपटाना है ... गांधी जयंती पर यही खेल दिल्ली और मुंबई में खेला गया, लेकिन पुलिस ने बिना इजाजत का तमाशा नहीं चलने दिया....कॉकरोच वालों ने घोषणा कर दी कि अगर इस्तीफा नहीं मिला तो 10 अक्टूबर को फिर जंतर मंतर पर प्रदर्शन करेंगे. उधर यूपी में अखिलेश यादव कांग्रेस को उसकी हैसियत याद दिला रहे हैं. कांग्रेस 150 सीटें मांग रही है. लेकिन समाजवादी पार्टी वाले कह रहे हैं 150 तो दूर, 50 सीट देना भी बड़ी बात है. मतलब सड़क पर इंडी वाले एकजुटता दिखा रहे हैं, लेकिन टेबल पर सीटों की लड़ाई दिख रही है....

इंडिया इठबंधन वाले दल, कांग्रेस पार्टी, केजरीवाल, कॉकरोच पार्टी3 ये सभी ,क बार फिर जंतर मंतर को तीन महीने पुराने फॉर्मूले पर दोहराना चाहते थे. इजाजत नहीं थी. नई दिल्ली में धारा 163 थी. दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार मैदान पर थे और जिस-जिस ने हल्ला मचाया, लेकिन इस बार लेफ्ट छात्र संगठनों से जुड़े लोगों ने हल्ला मचाने की कोशिश की तो पुलिस ने उनके प्लान को सफल नहीं होने दिया. जिसने भी जंतर मंतर पहुंचकर वहां प्रदर्शन की जिद की, पुलिस ने बस में भर दिया और रवाना कर दिया है. अपने मकसद में कामयाब नहीं होने के बाद तारीख आगे बढ़ गई. अभिजीत दीपके ने ऐलान किया कि ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते तो देश भर से लोग 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर मंतर पहुंचेंगे. जहां तक उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का मसला है, गठबंधन में कांग्रेस 150 से कम सीट पर राजी नहीं है जबकि समाजवादी पार्टी उसे 50 सीट से ज्यादा देने के लायक भी नहीं मानती है. यूपी में विधानसभा की 403 सीट है और अखिलेश यादव ने 350 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर ली है।

साध्य तो ठीक है, लेकिन साधन ठीक नहीं...

प्रकृति में वायु और समाज में युवा। दोनों की भूमिका काफी अहम है। दोनों में असीम ताकत होती है व्यवस्था को बदलने की। व्यवस्था परिवर्तन और उसके विकास की बहती धारा का रुख बदलकर आगे बढ़ने की हिम्मत और साहस भी इसी शक्ति के पास है। यही कारण है कि आज की युवा पीढ़ी एकेडमिक और करियर कॉन्सियस होते हुए नया प्रयोग कर रही है।

जीवन के हर क्षेत्र में बदलाव आ रहा है। उसमें अव्वल रहना हर किसी की चाहत होती है। व्यवस्थाएं ठीक रहती है, तो अवसर भी मिलते हैं और मंजिल भी...इसके उलट जो परिणाम सामने आते हैं,उसकी केवल कल्पना ही की जा सकती है...युवा वर्ग सकारात्मक विचारों, और रचनात्मक व्यवहारों से देश और समाज के विकास में योगदान देता है...सामाजिक सरोकारों से जुड़ा रहता है...जिम्मेदारियों का अहसास करते हुए हर मुसीबत में अपनी क्षमताओं से आगे जाकर मुकाबला करता है...इतिहास गवाह है कि प्राचीन काल से लेकर आज तक, कालखंड के हर दौर में परिवर्तन होता आया है...पुरानी व्यवस्थाओं की विसंगतियों को सुधार कर,नएपन के साथ उसे अपनाया...जीवन के हर क्षेत्र में बदलाव आया,लेकिन मौलिक स्वरुप बरकरार रहा...मौलिक विचारों के साथ बदलाव की यह स्वाभाविक व्यवस्था ही भारत को दुनिया के मानचित्र पर अलग ही पहचान दिलाती है...इतना सब कुछ होते हुए, युवा पीढ़ी व्यवस्थाओं में विसंगतियों के प्रति अनजान नहीं है...हर विषय पर पैनी नजर रखते हुए,अपनी आवाज को मुखरता से रखता है...युवाओं ने हर दौर में दमखम दिखाया है,और उनमें बदलाव की बयार के साथ अपनी पहचान बनाई है। और जब उनकी आवाज को अनसुना कर दिया जाता है तो फिर 20 जुलाई जैसा मंजर सामने आता है...

यह आंदोलन था, क्रांति थी, या फिर संघर्ष...न तो करने वालों को पता था और न ही जिसके बारे में हो रहा था, उसको भी...यानी पिछले कुछ महीनों से नीट के पेपर लीक और



उससे उपजे विरोध के बारे में जो कहा, सुना और देखा जा रहा है...हर पक्षकार उसे अपने ही नजरिये से देख और समझ रहा है...व्यवस्थाओं में विसंगतियों के खिलाफ संगठित, सुनियोजित या फिर स्वत:स्फूर्त सामूहिक संघर्ष, आंदोलन के रुप में सामने आता है...आंदोलन का रास्ता सत्ता या व्यवस्था में सुधार और बदलाव तक जाकर समाप्त होता है...कभी कभी वह राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक,या फिर सामाजिक सरोकारों से जुड़े तात्कालिक मसलों को अंतिम निपटारे तक चला जाता है...यानी आंदोलन,चाहे वह संगठित हो या स्वत:स्फूर्त,संघर्ष के विकास की एक अवस्था है, जहाँ संघर्ष का स्वरूप आम हो जाता है,संघर्ष व्यक्तिगत नहीं रह जाता,सामूहिक हो जाता है...जब एक वर्ग सरकार या प्रशासन तक किसी मुद्दे पर, अपनी बात जल्दी से जल्दी रखना या मनवाना चाहते है,तो इसके लिए एकजुट होकर की जाने वाली प्रक्रिया को आंदोलन कहते है...समय अंतराल के भीतर और बाहर रहते हुए, कभी कभी वह उचित और अनुचित की परिभाषा में उलझ कर रह जाता है और कभी कभी वह हिंसा और अहिंसा के मापदंडों से परे होकर सामने आ जाता है...एक स्थान पर एकत्रित होकर बात रखना, सोशल मीडिया पर बात रखना और ट्रेंड चलना, रैली निकालना, पत्थरबाजी करना,सरकारी इमारतों और वाहनों में तोड़-फोड़ और आग में झोंक देना और विरोध के हर तरीके को जायज ठहराना भी आंदोलन की श्रेणी में माना जाने लगा है...यानी आंदोलन के विभिन्न आयाम कभी कभी एक साथ दिखाई देते हैं तो कभी कभी विषय विशेष के संदर्भ में...उसकी सफलता और असफलता के मायने अलग हो सकते हैं, लेकिन मकसद एक होता है व्यवस्थाओं में विसंगतियों को दूर करना...यह कहा जाता है कि, जहां हक को छीना जाए वहां आंदोलन करना जरूरी है, और ये जिंदा होने की पहचान है तो उसका अहसास करवाना भी जरूरी है, लेकिन इसकी भी एक मर्यादा है...सीमा है...उसे तोड़कर जाना यानी आफत को बुलाने के समान है...

ऐसा नहीं है कि नीट पेपर लीक मसले पर युवा वर्ग का सड़क पर उतर कर विरोध करना पहला आंदोलन है...आजादी के बाद से समाज का हर वर्ग... अपने मसलों को लेकर, किसी न किसी रुप से आंदोलन करते हुए, व्यवस्थाओं में विसंगतियों को लेकर, अपनी आवाज मुखर करता आ रहा है...कभी राजनीतिक, कभी सामाजिक, कभी तात्कालिक मसलों को साथ सत्ता से संघर्ष करता आमने सामने हुआ है...उसी का परिणाम है कि व्यवस्थाओं में सुधार होते रहे हैं...बदलाव होते रहे हैं...गुजरात और बिहार के युवाओं की तरुणाई ने अंगडाई ली तो व्यवस्थाओं में बदलाव आया...जयप्रकाश नारायण, विश्वनाथ प्रताप सिंह हो या फिर अन्ना हजारे, व्यवस्थाओं की विसंगतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरे तो युवा वर्ग ने अपनी जवानी को रवानी में बदल दिया...इस देश ने मध्ययुगीन भारत में सामाजिक,सांस्कृतिक और धार्मिक पुनरुत्थान में युवाओं की भूमिका का अहसास किया है...इसीलिए जब साध्य नेक हो, साधन भी उसके अनुकूल हो तो सवालों के उत्तर आसान हो जाते हैं, लेकिन जब साध्य तो नेक है, लेकिन साधन ठीक नहीं होते हैं तो दिक्कतें होती है...नीट पेपर लीक मसले पर युवा वर्ग का संसद घेराव के दौरान की गतिविधियां भी संदेह के घेरे से बच नहीं सकती....गति है तो प्रगति है...ठहरा पानी तो सडांध मारता है...इसीलिए कहा गया है कि...पत्थर के जिगर वालों, गम में वो रवानी है...खुद राह बना लेगा, बहता हुआ पानी है...बदलाव प्रकृति का नियम है...स्वाभाविक प्रवृति है...स्वीकार करना ही होता है...चाहे वाद से हो, विवाद से हो या फिर संवाद से...दुष्यंत कुमार ने कहा भी है कि हो गई है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए, इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए...सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए...

पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर है श्राद्ध

भारतीय संस्कृति की वैदिक परंपराओं की देन है श्राद्ध। यह संस्कृत के षब्द श्रद्धा से जुड़ा हुआ है। इसका एक अर्थ भक्ति और सद्भाव से लिया जाता है तो समर्पण से भी जोड़ कर देखा जाता है। यानी अपने पूर्वजों की आत्मा की तृप्ति के लिए श्रद्धापूर्वक अर्पित किए जाने वाला कर्म श्राद्ध है। इसे संस्कार के रुप में भी अभिव्यक्त किया जाता है। पूर्वजों को ईष्वर के रुप में मानते हुए उन्हें पूजा के योग्य स्वीकारा गया है। ऐसी मान्यता है कि किसी खास पक्ष में हमें अपने पूर्वजों के प्रति आदर, सम्मान और प्रेम प्रकट करने के लिए उनकी विषेष पूजा करनी चाहिए। साल भर में श्राद्ध पक्ष भी एक ऐसा ही अवसर है जिस दौरान हम अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और समर्पण के साथ पूजा अर्चना कर उन्हें याद करते हैं और जाने अनजाने में हुई गलतियों को माफ करने के साथ उनसे परिवार पर आषीर्वाद बनाए रखने की कामना करते हैं। श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा से जो कुछ दिया जाए। यानी श्रद्धया दीयते यत् तत् श्राद्धम्। ऐसा माना जाता है कि पितृपक्ष में श्राद्ध करने से पितृगण वर्ष पर्यंत प्रसन्न रहते है।

पितृ पक्ष की परंपरा बड़ी वैज्ञानिक है। धर्मषास्त्र की मान्यता है कि भू लोक पर जो लोग रहते हैं और सत्कर्म करते



हैं, यहां से जाने के बाद उन्हें दो लोकों की प्राप्ति होती है। या तो वे देव लोक में जाते हैं या पितृ लोक में। देव मानव पितरों से होते हैं। इस दृष्टि से मनुष्य के बाद की जो योनि बनती है, वह पितरों की योनि होती है। और पितर योनि में जाने के बाद ही उसे देव लोक मिलेगा या फिर अच्छे कार्यों के आधार पर वह मानव लोक में आएगा। इसीलिए कभी कभी ऐसा होता है कि उनके जीवन काल में सत्कर्म में कमी रह जाती है, या उनको पुनर्जन्म लेने में समय लग जाता है, तब तक वह अषरीरी आत्मा किस तरह अन्न जल आदि ग्रहण करेगा, इस दृष्टि से हमारे आचार्यों ने इस पर चिंतन किया कि पितृ पक्ष का 15 दिन में जो कुछ भी दिया जाएगा, वह उनका है। इसमें उनके निमित्त हम जो कुछ भी करते हैं, दान, ब्राह्मण भोजन, जल, तिल दान, वह उनको प्राप्त होता है। हमारा एक वर्ष पितरों का एक दिन होता है। हम किसी भी जीव के मृत्यु के दिन वार्षिक श्राद्ध करते हैं, वह उनका एक दिन है, लेकिन उसी एक दिन में श्राद्ध पक्ष आता है, वहां अगर कुछ छूट गया है या कोई कमी रह गई है तो उसे यहां पूर्ण करने की बात कही गई है। आष्विन कृष्ण पक्ष की अमावस्या को पितृ विसर्जनी अमावस्या कहते है। जो व्यक्ति पितृ पक्ष के पंद्रह दिनों तक श्राद्ध तर्पण आदि नहीं करते हैं, वे अमावस्या को ही अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध आदि संपन्न करते है। जिन पितरों की तिथि याद नहीं हो, उनके निमित्त श्राद्ध तर्पण दान आदि इसी अमावस्या को किया जाता है।

षास्त्रों में श्राद्ध को कई रुप में परिभाषित किया गया है। इसके कई प्रकार बताए गए हैं। ऐसा माना जाता है कि आष्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ऊपर की रष्मि और रष्मि के साथ पितृ प्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। और आष्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र ऊपर की ओर होने लगता है। 15 दिन तक अपना अपना भाग लेकर षुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से उसी रष्मि के साथ रवाना हो जाता है। इसलिए इसको पितृ पक्ष कहा जाता है और पक्ष में श्राद्ध करने से पितरों को प्राप्त होता है। धर्मषास्त्रों के अनुसार जब कन्या राषि पर सूर्य आता है, वहां से 16 दिन पितरों की तृप्ति के लिए तर्पण पिंड आदि करना उनके लिए तृप्तिकारक माना गया है। पितृ पक्ष में पितरों का विषेष संबंध रहता है। इसीलिए यह माना गया है कि पितृ पक्ष में श्राद्ध करने से पुत्र, आयु, आरोग्य और ऐष्वर्य की प्राप्ति होती है.....

दरअसल श्राद्ध पक्ष एक नए वर्ष का प्रारंभ काल माना गया है। इसमें हम पितरों के लिए पूर्ण क्रिया करके उन्हें देव योनि में भेजने की प्रक्रिया मानते है। पितर इन 15 दिन यहां अपने परिवारों से संबंध रखते हैं और यहां उनको प्राप्त होने वाला अन्न जल उन्हें पुष्टि प्रदान करता है। अर्थात यह अन्न जल ग्रहण करके वे प्रसन्न होते है। पितर लोग ब्राह्मण के मुख से भोजन करते है। हम जो कुछ दान करते हैं उससे जो पुण्य पैदा होता है या संतुष्टि पैदा होती है, उस तुष्टि भाव को ग्रहण कर पितर लोग अपने लोक को चले जाते है।

धर्मषास्त्रों में कहा गया है कि पितरों को पिंडदान करने वाला गृहस्थ दीर्घायु, पुत्र पौत्र आदि,यष, स्वर्ग, पुष्टि, बल, लक्ष्मी, पषु, सुख साधन और धनधान्य आदि की प्राप्ति करता है। यही नहीं, पितरों की कृपा से उसे सब प्रकार की समृद्धि, सौभाग्य, राज्य और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

वैदिक साहित्य श्राद्ध कर्म और इसके विधि विधान का वर्णन मिलता है। पुराणों में कहा गया है कि जो श्राद्ध करता है वह साक्षात ब्रह्मा से लेकर तृण पर्यंत सभी प्राणियों को तृप्त करता है। षास्त्रों में श्राद्ध कर्म करने वाले, किसके द्वारा कराया जाना चाहिए, कैसे कराया जाए, कब कराया जाए और कैसे कराया जाए, इसका वर्णन मिलता है। समस्त लक्षणों से संपन्न विद्या, षील और सद्गुणों से संपन्न और तीन पुरुषों पीढ़ियों से विख्यात ब्राह्मणों के द्वारा ही श्राद्ध संपन्न कराए जाने का उल्लेख मिलता है। वर्जित ब्राह्मणों का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि लंगड़ा, काना, दाता का दास, अंगहीन और अधिक अंग वाला ब्राह्मण श्राद्ध में निषिद्ध माना गया है। देवकार्य, पूजा पाठ आदि में ब्राह्मणों की परीक्षा न करें किंतु पितृकार्य में अवष्य करें। इसी तरह श्राद्ध कर्ता के लिए भी कुछ कार्य वर्जित माने गए है। जो श्राद्ध करने के अधिकारी है, उन्हें पूरे पंद्रह दिनों तक क्षोरकर्म नहीं करना चाहिए। पूर्ण ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। प्रतिदिन स्नान के बाद तर्पण करना चाहिए। तेल उबटन आदि का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसी तरह अन्य विधानों के माध्यम से यह बताने का प्रयास किया गया है कि श्राद्ध कर्म पूर्णत: धार्मिक कार्य होता है और इसके लिए पूरे विधि विधान से किया जाना चाहिए। इसमें पवित्रता का पूरा ध्यान रखा गया है। यानी अपने पूर्वजों के प्रति पूरी श्रद्धा और निष्ठा से समर्पित होकर यह कार्य करना होता है ताकि उनमें सात्विकता का भाव बना रहे।

हमारे जीवन दर्षन में पितृपक्ष में श्राद्ध की बहुत महिमा बताई गई है। इसे धार्मिक कार्य के साथ जोड़कर जिस तरह हमारी जीवन पद्धति के आधार के रुप में हम इसे अपनाते आ रहे हैं, यह हमारी धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना के निरंतर प्रवाह का प्रतीक है। इससे हम अपने पूर्वजों से जुड़े रहते है। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते है। श्राद्ध कर्म के माध्यम से उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं और एक तरह से आभार व्यक्त करने का अवसर भी होता है।

लघु कथा
बादलों के घेरे

भुवाली की इस छोटी-सी कॉटेज में लेटा,लेटा मैं सामने के पहाड़ देखता हूँ। पानी-भरे, सूखे-सूखे बादलों के घेरे देखता हूँ। बिना आँखों के झटक-झटक जाती धुंध के निष्फल प्रयास देखता हूँ और फिर लेटे-लेटे अपने तन का पतझार देखता हूँ। सामने पहाड़ के रूखे हरियाले में रामगढ़ जाती हुई पगडंडी मेरी बाँह पर उभरी लंबी नस की तरह चमकती है। पहाड़ी हवाएँ मेरी उखड़ी-उखड़ी साँस की तरह कभी तेज़, कभी हौले, इस खिड़की से टकराती हैं; पलंग पर बिछी चद्दर और ऊपर पड़े कंबल से लिपटी मेरी देह चूने की-सी कच्ची तह की तरह घुल-घुल जाती है। और बरसों के ताने-बाने से बुनी मेरे प्राणों की धड़कनें हर क्षण बंद हो जाने के डर में चूक जाती हैं। मैं लेटा रहता हूँ और सुबह हो जाती है। मैं लेटा रहता हूँ शाम हो जाती है। मैं लेटा रहता हूँ रात झुक जाती है। दरवाज़े और खिड़कियों पर पड़े परदे मेरी ही तरह दिन-रात, सुबह-शाम, अकेले मौन-भाव से लटकते रहते हैं। कोई इन्हें भरे-भरे हाथों से उठाकर कमरे की ओर बढ़ा नहीं आता। कोई इस देहरी पर अनायास मुसकराकर खड़ा नहीं हो जाता। रात, सुबह, शाम बारी-बारी से मेरी शय्या के पास घिर-घिर आते हैं और मैं अपनी इन फीकी आँखों से अँधेरे और उजाले को नहीं, लोहे के पलंग पर पड़े अपने-आपको देखता हूँ, अपने इस छूटते-छूटते तन को देखता हूँ। और देखकर रह जाता हूँ। आज इस तरह जाने के सिवाए कुछ भी मेरे वश में नहीं रह गया। सब अलग जा पड़ा है। अपने कंधों से जुड़ी अपनी बाँहों को देखता हूँ, मेरी बाँहों में लगी वे भरी,भरी बाँहें कहाँ हैं...कहाँ हैं वे सुगंध-भरे केश, जो मेरे वक्ष पर बिछ-बिछ जाते थे? कहाँ हैं वे रस-भरे अधर जो मेरे रस में भीग-भीग जाते थे? सब था, मेरे पास सब था। बस, मैं आज-सा नहीं था। जीने का संग था, सोने का संग था और उठने का संग था। मैं धुले-धुले सिरहाने पर सिर डालकर सोता रहता और कोई हौले से चमककर कहता—उठोगे नहीं...भोर हो गई। आँखें बंद किए-किए ही हाथ उस मोहभरी देह को घेर लेते और रात के बीते क्षणों को सूँघ लेने के लिए अपनी ओर झुकाकर कहते—इतनी जल्दी क्यों उठती हो... हल्की-सी हँसी और बाँहें खुल जातीं। आँखें खुल जातीं और गृहस्थी पर सुबह हो आती। फूलों की महक में नाश्ता लगता। धुले-ताज़े कपड़ों मे लिपटकर गृहस्थी की मालकिन अधिकार भरे संयम से सामने बैठे रात के सपने साकार कर देती। प्याले में दूध उँड़ेलती उन अँगुलियों को देखता।

एसआईआरः लोकतंत्र की शुचिता और विश्वास की कसौटी

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका मतदाता है और मतदाता की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पहचान उसका मताधिकार है। इसलिए मतदाता सूची केवल नामों का प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। जिस व्यक्ति का नाम पात्र होते हुए मतदाता सूची में नहीं है, उसकी लोकतांत्रिक भागीदारी अधूरी रह जाती है और जिस व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी हो, जो स्थानांतरित हो गया हो अथवा जिसका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हो, उसका नाम सूची में बने रहना चुनाव की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करता है। इसी दृष्टि से मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है। लेकिन इसकी सफलता केवल गलत या अपात्र नाम हटाने से नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सुरक्षित रखने और छूटे हुए मतदाताओं को वापस जोड़ने से तय होगी। निर्वाचन आयोग ने 2026 में एसआईआर की प्रक्रिया को कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक विस्तारित किया है। आयोग के कार्यक्रम में घर-घर जाकर सत्यापन, प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन, दावे और आपत्तियां लेने तथा अंतिम सूची प्रकाशित करने जैसी प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि 27 मई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में किए गए एसआईआर की वैधानिकता को बरकरार रखा और माना कि निर्वाचन आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत ऐसी प्रक्रिया संचालित करने का अधिकार है। न्यायालय ने यह भी माना कि प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की रक्षा से जुड़ा वैध उद्देश्य है।

एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर स्वाभाविक रूप से राजनीतिक और सामाजिक बहस पैदा हुई है। लेकिन बेवजह चुनाव आयोग एवं मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर विवाद खड़े किये जाने की स्थितियां विडम्बनापूर्ण है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों की संयुक्त मतदाता सूची में एसआईआर के बाद 10.2 प्रतिशत की कमी हुई और 66,88,636 मृत मतदाताओं के नाम हटाए गए। इसी प्रक्रिया में आपत्तियों और जांच के बाद 63.16 लाख नाम भी हटाए गए। इन आंकड़ों को केवल एक राजनीतिक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। इनमें एक ओर मृत, स्थानांतरित या दोहराए गए नामों को हटाने की प्रशासनिक आवश्यकता दिखाई देती है, तो दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में नामों में परिवर्तन यह भी बताता है कि मतदाता सूची को नियमित रूप से अद्यतन करते रहना कितना आवश्यक है। यहीं से इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। यदि किसी अपात्र व्यक्ति का नाम हटाना लोकतंत्र की शुचिता के लिए जरूरी है, तो किसी पात्र नागरिक का नाम गलती से हट जाना भी उतनी ही गंभीर समस्या है। मतदाता सूची को शुद्ध करने और मतदाता अधिकार को सुरक्षित रखने के बीच संतुलन ही एसआईआर की वास्तविक सफलता है। इस दृष्टि से निर्वाचन आयोग का हालिया विशेष अभियान महत्वपूर्ण है। 2 अक्टूबर 2026 को आयोग ने एसआईआर पूरी कर चुके राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में उन पात्र मतदाताओं को फिर से सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया, जिनके नाम पुनरीक्षण के दौरान छूट गए हों। पहली बार मतदान करने वाले और नए पात्र युवा मतदाताओं के पंजीकरण पर भी जोर दिया गया है।

इस अभियान में बूथ स्तर के अधिकारियों को एसआईआर से पहले की मतदाता सूची और वर्तमान सूची का मिलान कर उन लोगों की पहचान करने को कहा गया है जिनके नाम पहले मौजूद थे लेकिन अंतिम सूची में नहीं हैं। इसके बाद घर-घर जाकर सत्यापन और पात्र पाए जाने पर मौके पर ही फॉर्म-6 प्राप्त करने की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक बूथ स्तर अधिकारी के लिए प्रति सप्ताह 20 से 25 मतदाताओं के सत्यापन और लगभग एक महीने में अभियान पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। राजनीतिक दलों के बूथ स्तर एजेंटों के साथ संबंधित सूचियां साझा करने का निर्देश भी पारदर्शिता की दृष्टि से उल्लेखनीय है। यही वह बिंदु है जहां मतदाता सूची के पुनरीक्षण को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे ले जाने की आवश्यकता है। विपक्षी दलों ने एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि इससे पात्र नागरिकों के मताधिकार पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर निर्वाचन आयोग का कहना है कि उसका उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना है। इन दोनों पक्षों के बीच अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि पारदर्शी आंकड़ों, दस्तावेजी प्रमाण, आपत्ति और अपील की प्रभावी व्यवस्था तथा स्वतंत्र जांच से निकलना चाहिए।

लघु उद्योग नाम के छोटे, लेकिन राष्ट्र निर्माण में बड़ा योगदान

टैक्सटाइल एंड अपैरल पॉलिसी ने वस्त्र उद्योग को दी नई गति - मुख्यमंत्री

संचार जगत

पाली/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लघु उद्योग आकार में भले ही छोटे हों, लेकिन राष्ट्र निर्माण और रोजगार सृजन में उनका योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने कहा कि गांव, ढाणी और कस्बों में रहने वाले युवाओं, महिलाओं और जरूरतमंद लोगों को उनके स्थानीय क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करवाने में लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य सरकार लघु उद्योगों को आगे बढ़ाने के लिए हर कदम पर सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। पाली में लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित उद्यमी सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है। मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने छोटे उद्यमियों, कारीगरों और व्यापारियों को नई ऊर्जा दी है।



इसी का परिणाम है कि हमारे स्थानीय उत्पाद अब वैश्विक बाजारों तक पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री ने लघु उद्यमियों से आह्वान किया कि वे राजस्थान में उपलब्ध स्थानीय संसाधनों और कृषि उत्पादों पर आधारित प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि किसी भी उद्योग के लिए आवश्यक जमीन, पानी और बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार गंभीरता से काम कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, नर्मदा जल समझौता और किशाऊ बहुद्देशीय परियोजना जैसे प्रमुख जल समझौतों के माध्यम से प्रदेश में पानी की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक काम हुआ है। वहीं, गंगनहर, सोम-कमला-अंबा सहित अन्य परियोजनाओं के माध्यम से भी सिंचाई एवं पेयजल की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी प्रकार राजस्थान में बिजली उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और वर्ष 2027 तक प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने का लक्ष्य है। लघु, मध्यम एवं सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा दे रही राज्य सरकार मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग जगत केवल पूंजी से नहीं, बल्कि उद्यमियों के परिश्रम, प्रतिभा और अटूट लगन से आगे बढ़ता है। राजस्थान की डबल इंजन सरकार निवेश, व्यापार और रोजगार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर धरातल पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। रीको द्वारा 3 हजार से अधिक एमओयू धारकों को भूमि आवंटित की जा चुकी है, जबकि 800 से अधिक औद्योगिक इकाइयों में निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है

उन्होंने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार लघु, मध्यम एवं सूक्ष्म उद्यमों की बेहतरी के लिए भी निरंतर प्रयास कर रही है। पंच गौरव के माध्यम से प्रत्येक जिले के विशिष्ट उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है। साथ ही, राज उद्योग मित्र और राज निवेश पोर्टल के माध्यम से सिंगल विंडो सिस्टम को अधिक पारदर्शी बनाया गया है। राजस्थान एमएसएमई नीति-2024 और राजस्थान एकीकृत क्लस्टर विकास योजना के तहत करोड़ों के प्रोजेक्ट स्वीकृत किए गए हैं । मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार और उद्यमियों के सामूहिक प्रयासों से राजस्थान देश का अग्रणी औद्योगिक प्रदेश बन गया है।

सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2026, एयरोस्पेस एंड डिफेंस पॉलिसी-2026 को मंजूरी दी गई है। इसके साथ लॉजिस्टिक पॉलिसी-2025, इंडस्ट्रियल पार्क पॉलिसी-2025 और इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट पॉलिसी-2026 से प्रदेश में औद्योगिक विकास के नए अवसर सृजित किए गए हैं। राज्य सरकार ने कुल 37 नई नीतियां जारी की हैं।

कोटा संभाग में खटीक समाज का भव्य स्नेह मिलन समारोह हुआ

संचार जगत



कोटा। क्षत्रिय खटीक समाज युवा विकास समिति, कोटा संभाग का आज भव्य स्नेह मिलन समारोह एवं बूंदी जिला कार्यकारिणी घोषणा कार्यक्रम आयोजित किया गया। संभागीय अध्यक्ष संजय सामरिया ने बताया कि यह कार्यक्रम बूंदी जिला अध्यक्ष नीरज खरेडिया एवं देहात अध्यक्ष महेंद्र खींची के नेतृत्व में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं समाज के वरिष्ठजन पधारे। समारोह में समाज की एकता, आपसी भाईचारे एवं संगठन को और अधिक मजबूत बनाने सहित समाजहित के विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर बूंदी जिला कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई इस अवसर पर समिति के संस्थापक अध्यक्ष रामावतार बागड़ी, संरक्षक निरंजन मंडावत, दीपक भलवाला, मुख्य अतिथि महेन्द्र वर्मा अधीक्षण अभियंता, गोपाल खरेडिया, रमेशचन्द्र टेपण, तुलसीराम वर्मा, कस्तूर चन्द्र खींची, शिवराज खींची, अनिल सामरिया, डॉ. मोहन बुलीवाल, चंदन खरेडिया, महावीर सोयल चेयरमेन देई, डॉ. के एल युगल, छीतर चंदेल, राजेश खोईवाल, डॉ रणजीत खीची, शंकर बसवाल, पूर्व अध्यक्ष दिनेश भलवाला,संयोजक धर्मवीर छंदक, सहसंयोजक हेमंत छंदक, महामंत्री राकेश खटीक,कोषाध्यक्ष पवन सामरिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश आर्य, कोटा जिला अध्यक्ष प्रेम सहाय, चिकित्सा सलाहकार डॉ राजेंद्र सोयल, उपाध्यक्ष गोविंद मंडावत, मीडिया प्रभारी विशाल बागड़ी, मंडल संयोजक सुरेंद्र बघेरवाल, मंडल अध्यक्ष तुषार बसवाल एवं समाज के लोगों उपस्थित मौजूद रहे !

9,086 वोटों से ऐतिहासिक जीत के बाद सेड़वा पहुंचे सय्यद शुजा मोहम्मद शाह, युवाओं ने किया जोरदार स्वागत

संचार जगत



सेड़वा। बाड़मेर यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद के चुनाव में सय्यद शुजा मोहम्मद शाह ने 9,086 वोटों से ऐतिहासिक जीत हासिल की। जीत के बाद पहली बार सेड़वा पहुंचने पर युवा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान युवाओं ने पटाखे जलाकर खुशी का इजहार किया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। सय्यद शुजा मोहम्मद शाह के सेड़वा पहुंचने पर बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता एकत्रित हुए। समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। स्वागत के दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने नारे लगाकर अपनी खुशी जाहिर की। इस अवसर पर सय्यद शुजा मोहम्मद शाह ने अपनी जीत का श्रेय थार क्षेत्र के युवाओं को देते हुए कहा कि रेगिस्तान के तपते धोरों में युवाओं ने दिन-रात मेहनत की। युवाओं की मेहनत और मेहनत के प्रति समर्पण की बदौलत आज मुझे यह ऐतिहासिक जीत हासिल हुई है।

अग्रसेन जयंती पर अग्रवाल महिला मंडल रामपुरा ने आयोजित की प्रतियोगिताएं

संचार जगत



कोटा। अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में अग्रवाल महिला मंडल रामपुरा द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महिलाओं के लिए थाली सजाओ प्रतियोगिता तथा बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मंडल अध्यक्ष सुषमा गुप्ता एवं सचिव नीलू अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में ज्योतिषाचार्य प्रमिला गुप्ता एवं नगर निगम वेलफेयर ऑफिसर हेमलता गांधी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने विभिन्न आकर्षक वेशभूषाओं में अपनी प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया।

प्रतिभा गुप्ता ने प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा करते हुए प्रथम, मिताश अग्रवाल द्वितीय हितार्थ अग्रवाल एवं तृतीय मिताक्षी जैन स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया। महिलाओं की थाली सजाओ प्रतियोगिता में प्रथम उमा सिंघल, द्वितीय मधु अग्रवाल, तृतीय दीप्ति जैन रही।कार्यक्रम का मंच संचालन कुसुम गुप्ता ने किया। अंत में संतोष गुप्ता ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुनीता गुप्ता, सरिता सिंघल सहित मंडल की अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

एक पौधा अग्रसेन जी के नाम अभियान के तहत गीता भवन में में लगाए 11 पौधे

संचार जगत



कोटा। महाराजा श्री अग्रसेन जी की जयंती के उपलक्ष्य में अग्रसेन सोशयल ग्रुप की ओर से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए गीता भवन में 'एक पौधा अग्रसेन जी के नाम' अभियान के तहत 11 पौधे लगाए गए। संभागीय अध्यक्ष राजकुमार गोयल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के जिला अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल चुना वाले, प्रदेश मंत्री जगदीश अग्रवाल प्रॉपर्टी, ग्रुप के चेयरमैन संजय गोयल एवं परमानंद गर्ग रहे। इस अवसर पर संजय गोयल ने पौधारोपण करते हुए कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। महाराजा अग्रसेन जी के सेवा, सहयोग और समाज कल्याण के सिद्धांतों को आगे बढ़ाते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। जगदीश अग्रवाल ने कहा कि एक पौधा लगाना केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य का निर्माण करना है। कार्यक्रम में संभागीय अध्यक्ष रेणु गोयल, महामंत्री सपना गोयल, चेयरपर्सन पुष्पा गर्ग, कमलेश गोयल, कल्पना अग्रवाल सहित ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया।

ऑक्टेव 2026' में दिखी पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक रंगत, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने लिया हिस्सा



संचार जगत

जयपुर। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'ऑक्टेव 2026' कार्यक्रम में पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध कला, संगीत, परंपराओं और खान-पान की अनूठी झलक देखने को मिली। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कार्यक्रम में शामिल होकर पूर्वोत्तर के कलाकारों और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। वेस्ट ज़ोन कल्चरल सेंटर, उदयपुर द्वारा पिछले एक दशक में तीसरी बार आयोजित 'ऑक्टेव' ने पूर्वोत्तर भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को एक मंच पर प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विभिन्न पारंपरिक कलाओं, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को आकर्षित किया। इस अवसर पर वेस्ट ज़ोन कल्चरल सेंटर के निदेशक डॉ. अश्विन दलवी, राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के निदेशक श्री निहाल चंद गोयल सहित पूर्वोत्तर भारत से आए कलाकार और प्रतिभागी मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि ऐसे आयोजन देश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को करीब लाने के साथ 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम ने भारत की सांस्कृतिक एकता और विविधता की खूबसूरत तस्वीर पेश की।

संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल के सेवानिवृत्त होने पर अग्रवाल समाज ने किया सम्मान एवं विदाई समारोह

संचार जगत



कोटा। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, कोटा संभाग की इकाई अखिल भारतीय अग्रवाल सेवा उत्थान समिति के तत्वावधान में कोटा संभागीय आयुक्त के पद से सेवानिवृत्त होने पर अनिल कुमार अग्रवाल का सम्मान एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज, कोटा संभाग की ओर से संभागीय अध्यक्ष मोहनलाल अग्रवाल के सानिध्य में अनिल कुमार अग्रवाल को स्मृति प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके सफल एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

संभागीय महामंत्री संजय गोयल एवं जिला महामंत्री गजानंद सिंगल ने बताया कि अनिल कुमार अग्रवाल ने अपने प्रशासनिक कार्यकाल के दौरान महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान कीं।

उनके सेवानिवृत्त होने पर समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनके प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखद जीवन की कामना की।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ समाजसेवी संदीप अग्रवाल चांदीवाला, संभागीय उपाध्यक्ष डॉ. राहुल मित्तल, प्रमोद अग्रवाल, मनोज गोयल, महामंत्री रूपा अग्रवाल, आराधना अग्रवाल सहित संस्था के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने अनिल कुमार अग्रवाल का माल्यार्पण एवं स्मृति प्रमाण-पत्र भेंट कर अभिनंदन किया तथा उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

बिटूमिन (डामर) के बढ़े दामो का पुनर्भरण सरकार करेगी

प्रदेश में सड़क प्रोजेक्ट्स को मिलेगी गति - उप मुख्यमंत्री, दिया कुमारी

संचार जगत



जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया राज्य सरकार ने सड़क प्रोजेक्ट्स को गति प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए केंद्र सरकार की तर्ज पर ईरान- अमेरिका युद्ध के कारण बिटूमीन (डामर)के बढ़े हुए दामों का पुनर्भरण संवेदकों को करने का निर्णय लिया है । इससे सड़क परियोजनाओं को गति मिलेगी। गोरतलब है की 28 फरवरी 2026 को अमेरिका-ईरान युद्ध प्रारंभ हुआ था, उस समय बिटूमीन 46400 प्रति मेट्रिक टन के भाव पर था , जो मई में 80150 रू प्रति मेट्रिक टन और वर्तमान में लगभग 76000 रू प्रति मेट्रिक टन है। इस वजह प्रदेश की सड़क परियोजनाओं की गति प्रभावित हुई है ।

सड़क निर्माण को गति प्रदान करने के लिए सरकार ने यह महत्वपूर्ण फ़ैसला लिया है । इसके लिए संवेदकों को बीपीसीएल, आईओसीएल, एचपीसीएल पीएसयू से बिटूमीन की खरीद करनी होगी ।

सेंट जेवियर्स स्कूल में भव्य 'ग्रैंड स्विमिंग मीट' का सफल आयोजन; जेवियर एलुम्नाई और मिनी ऑरेंज की साझा पहल

संचार जगत



जयपुर। सेंट जेवियर्स स्कूल, जयपुर के फादर बैटसन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आज, 3 अक्टूबर को 'ग्रैंड स्विमिंग मीट' का भव्य आयोजन हुआ। इस खेल प्रतियोगिता की मेजबानी जेवियर्स एलुम्नाई जयपुर द्वारा की गई और इसे मिनी ऑरेंज द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण सेंट जेवियर्स स्कूल जयपुर के पूर्व छात्र श्री अनिर्बान मुखर्जी की विशेष उपस्थिति रही। पुणे में एक टेक कंपनी के संचालक श्री मुखर्जी इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विशेष रूप से जयपुर पहुंचे।

वह इस कार्यक्रम के प्रमुख प्रायोजक भी रहे। कार्यक्रम के दौरान जेवियर्स एलुम्नाई जयपुर के सचिव निमिष- भुटानी ने श्री अनिर्बान मुखर्जी और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शर्मिष्ठा मुखर्जी को सम्मानित किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए श्री अनिर्बान मुखर्जी ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'खेल किसी भी व्यक्ति के समग्र विकास का एक अभिन्न अंग हैं।' इसके साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि पुणे में भी उनका एक पूर्ण विकसित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स संचालित है, जो खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा दे रहा है।

महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर हुआ 'सेहत की सहेली' सेमिनार

संचार जगत

कोटा। श्री अग्रवाल वैष्णव मोमीयान पंचायत महिला मंडल की ओर से अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को आयोजित अग्र सप्ताह के तहत महिलाओं के स्वास्थ्य को समर्पित 'सेहत की सहेली' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, सावधानियों एवं स्वस्थ जीवनशैली को लेकर विशेष संवाद एवं स्वास्थ्य सेमिनार आयोजित हुआ।

महिला मंडल अध्यक्ष शिखा मित्तल एवं सचिव सुनीता गोयल ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर सही जानकारी उपलब्ध कराना था। सेमिनार में महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुराधा अग्रवाल ने महिलाओं से संवाद करते हुए विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने, किसी भी समस्या को नजरअंदाज नहीं करने तथा स्वस्थ खान-पान एवं नियमित दिनचर्या अपनाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. अनुराधा अग्रवाल ने महिलाओं की ओर से पूछे गए स्वास्थ्य संबंधी सवालों के जवाब भी दिए और बताया कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं समय पर चिकित्सकीय सलाह कई समस्याओं से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। संरक्षिका सावित्री गुप्ता ने कहा कि परिवार की जिम्मेदारियों के साथ महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देतीं।

ऐसे कार्यक्रम महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और खुलकर अपनी समस्याएं साझा करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज की आधारशिला है।



सीएम को ऐसा नहीं बोलना चाहिए था कि किसान 20-25 दिन ही काम करता

गांव वाले पंचायत चुनाव में बीजेपी को सबक सिखाएंगे : गहलोत

संचार जगत



जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि प्रदेश के पंचायत चुनावों में गांव की जनता बीजेपी को सबक सिखाएगी। सरकार ने हमारी योजनाओं को बंद कर दिया, उसको लेकर लोगों में रिएक्शन है। क्योंकि गांव-गांव में हमारी योजनाएं बहुत पॉपुलर थीं। गरीबों, दलितों, पिछड़ों के लिए जो सोशल सिक्योरिटी की स्कीम थी, वो तमाम स्कीमें इन्होंने बर्बाद कर दीं। नाम बदलना एक बात थी, पर नाम बदलने के बाद में इनको खत्म क्यों किया, ये समझ के परे है। अब इन्होंने जो जुमले बोले हैं कि किसान तो 20-25 दिन ही काम करता है, मुख्यमंत्री को ये बात नहीं बोलनी चाहिए थी। इसका किसानों, गरीबों, गांवों में रिएक्शन है कि 20-25 दिन ही काम करते हैं। फिर बाकी हम क्या करते हैं? इसलिए गांव वाले इनको इस चुनाव में सबक सिखाएंगे और कांग्रेस भारी बहुमत से जीतेगी, मुझे पूरा विश्वास है। अशोक गहलोत रविवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बात कर रहे थे।

गहलोत ने कहा- नगर निकाय के चुनावों में इन्होंने जो किया है, वो राजस्थान के इतिहास में कभी नहीं हुआ। इन्होने पूरी तरह से गुंडागर्दी की है, पुलिस से छापे डलवाए, प्रशासन का दुरुपयोग किया। ऐसी स्थिति कभी नहीं बनी, लोगों में आक्रोश है। मैं समझता हूं कि इसके नजीते आज नहीं तो कल भुगतने पड़ेंगे।पंचायत चुनाव में लोग बहुत जागरूक हैं। ये जो कटु अनुभव प्रदेशवासियों को निकाय चुनाव में हुआ है, ये अनुभव पंचायत चुनाव में काम आएगा।

सूखे की स्थिति को सरकार गंभीरता से ले

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- सूखे की जो स्थिति राजस्थान में बनी है, उसे सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए। इसे लेकर अभी से कंटिंजेंसी प्लान बने। इन्होने नरेगा को बंद कर दिया है। इसलिए अब लोगों को रोजगार नहीं मिलेगा।

पहले रोजगार की गारंटी थी, अब वो गारंटी नहीं है। अब राज्य सरकारों की मर्जी है कि वह काम खोलें या नहीं खोलें। नरेगा में काम नहीं देते तो घर बैठे हुए मुआवजा मिलता था। लेकिन अब वो स्थिति नहीं है।

आने वाले दिनों में मुनष्य और पशुओं के लिए पीने के पानी का प्रबंधन करना होगा।

योजनाएं बंद करने का लगाया आरोप

गहलोत ने अपनी सरकार के कार्यकाल में शुरू की गई सामाजिक सुरक्षा और जनकल्याणकारी योजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गरीब, दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए शुरू की गई योजनाएं गांव-गांव में लोकप्रिय थीं। गहलोत ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने कई योजनाओं को बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि किसी योजना का नाम बदलना अलग बात है, लेकिन योजनाओं को खत्म क्यों किया गया, यह समझ से परे है।

चार चरण में पंचायत चुनाव पर उठाए सवाल

पंचायत चुनाव चार चरणों में कराने के फैसले पर भी गहलोत ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने सोच-समझकर यह फैसला किया होगा, लेकिन अगर यह सरकार की सलाह पर हुआ है तो इसके पीछे कोई और उद्देश्य हो सकता है। गहलोत ने आशंका जताई कि पंचायत समिति और जिला परिषद के चुनाव जीतने वाले सदस्यों को प्रभावित करने की कोशिश की जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि अगर पंचायत चुनाव के बाद निर्वाचित पंचायत समिति और जिला परिषद सदस्यों की खरीद-फरोख्त या अपहरण जैसा कोई षड्यंत्र होता है।

रोटरी फाउंडेशन सेमिनार में वसुंधरा राजे की मौजूदगी

डॉ. आदित्य नाग से हुई आत्मीय मुलाकात



संचार जगत

जयपुर। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3056 के तत्वावधान में रविवार को जयपुर क्लब लिमिटेड में 'द रोटरी फाउंडेशन सेमिनार' का आयोजन किया गया। रोटरी क्लब जयपुर मिडटाउन की मेजबानी में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम में रोटरी के वरिष्ठ पदाधिकारियों, विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशिष्ट व्यक्तियों और वक्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान रोटरी फाउंडेशन के माध्यम से सेवा कार्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रोटरी क्लब जयपुर मिडटाउन के वाइस प्रेसिडेंट-ढ्ढ एवं प्रेसिडेंट नॉमिनी डॉ. आदित्य नाग की वसुंधरा राजे से मुलाकात रही। दोनों के बीच काफी देर तक सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई। डॉ. नाग ने राजे के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान अपने पुराने जुड़ाव और उस समय की विभिन्न स्मृतियों को साझा किया। मुलाकात के दौरान पुराने अनुभवों तथा सामाजिक और जनहित से जुड़े प्रसंगों को याद किया गया। वसुंधरा राजे ने भी डॉ. नाग से आत्मीयता के साथ बातचीत की। डॉ. नाग ने इस मुलाकात को भावपूर्ण और स्मरणीय बताते हुए कहा कि समय के अंतराल के बावजूद पुराने संबंधों की आत्मीयता और सम्मान कायम रहता है। सेमिनार में रोटरी के मूल मंत्र की भावना को आगे बढ़ाते हुए समाज में दीर्घकालिक और सकारात्मक प्रभाव पैदा करने के लिए सेवा गतिविधियों को व्यापक बनाने पर जोर दिया गया।

म्यांमार भूकंप का जोरदार झटका महसूस हुआ

संचार जगत

नेपीडॉ। भारत के पड़ोस में भूकंप का जोरदार झटका महसूस किया गया है. तकरीबन आधी रात को धरती कांपने से लोग खौफ में आ गए। एक्सपर्ट ने म्यांमार में आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.6 बताया है. स्थानीय लोगों को समझने में कुछ सेकेंड का समय लगा, लेकिन जैसे ही उन्हें आभास हुआ कि ये भूकंप के झटके हैं, बदहवासी में तुरंत घरों से बाहर निकलने लग। इससे पहले तिब्बत और फिर बाद में महाराष्ट्र के हिंगोली में भी धरती डोली थी। भूकंप के झटके ऐसे इलाकों में लगे हैं, जिन्हें काफी संवेदनशील माना जाता है। म्यांमार में शनिवार देर रात 4.6 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप भारतीय समयानुसार 3 अक्टूबर 2026 को रात 11 बजकर 42 मिनट पर दर्ज किया गया। ह्यस्र के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन के नीचे 120 किलोमीटर की गहराई में था। बता दें कि गहराई अधिक होने के कारण भूकंप के सतह पर प्रभाव का आकलन स्थानीय परिस्थितियों पर निर्भर करता है। फिलहाल भूकंप से जान-माल के नुकसान या किसी तरह के व्यापक प्रभाव के संबंध में किसी तरह की सूचना नहीं है। भूकंप की तीव्रता और गहराई से जुड़े आंकड़े राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने जारी किए हैं।

जयपुर में लोन कलेक्शन एजेंट से 1.26 लाख लूटे

संचार जगत

जयपुर। जयपुर में शनिवार दोपहर लोन क्लेशन एजेंट से 1.26 लाख रुपए लूटने का मामला सामने आया है। बाइक पर आए नकाबपोश दो बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। झपट्टा मारकर बदमाश कलेक्शन एजेंट से कैश से भरा बैग छीन ले गए। दौलतपुरा थाना पुलिस ने सूचना पर नाकाबंदी करवाई, लेकिन बाइक सवार लुटेरों का सुराग नहीं लगा। हेड कॉन्स्टेबल राजेश ने बताया- कुचामन डिडवाना के परबतसर निवासी नाथूराम बागडी (26) के साथ लूट की वारदात हुई। वह राजावास गणेश विहार में रहकर एक प्राइवेट बैंक में लोन कलेक्शन का काम करता है।

रास्ते में पीछे से हमला

शनिवार दोपहर करीब 2 बजे वह दौलतपुरा के खोराश्यामदास से लोन कलेक्शन के 1.26 लाख रुपए बैग में लेकर बाइक से निकला था। बदनपुरा में दूसरी सेंटर मीटिंग पर जाने के दौरान रास्ते में पीछे से बाइक सवार दो बदमाश आए। बदमाशों ने झपट्टा मारकर बाइक की पेट्रोल टंकी पर रखे बैग को छीन लिया। शोर मचाकर पीछा करने पर बदमाश तेजी से बाइक से फरार हो गए। लूट की सूचना पर दौलतपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने नाकाबंदी करवाकर लुटेरों की तलाश शुरू की।

नाराज ड्राइवर थाने के बाहर धरने पर बैठे

आमेर में मनीष-हत्याकांड पर परिजनों को मुआवजा नहीं, लगाया जाम:लोगों ने बिना रजिस्ट्रेशन जीप संचालन होने पर रोका

संचार जगत



जयपुर। जयपुर के आमेर में टूरिस्ट गाइड पर हमले के एक महीने बाद टूरिस्ट जीप संचालन को लेकर विवाद हो गया। गाइड मनीष सोनी की 7 सितंबर को हत्या के बाद जीपों का संचालन रोक दिया गया था। इसके बाद जीप के हर ड्राइवरों का रजिस्ट्रेशन बिना गाड़ियां चलने होने पर स्थानीय लोगों और मनीष के परिजनों ने रविवार दोपहर करीब 12 बजे विरोध शुरू कर दिया। लोगों ने जीपों को आमेर महल जाने से रोक दिया। इसके चलते आमेर रोड पर लंबा जाम लग गया और इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। वहीं जीप संचालन बंद होने से नाराज ड्राइवर आमेर थाना के बाहर धरने पर बैठ गए थे। आमेर थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा ने बताया- टूरिस्ट जीप चलाने को लेकर बात हो रही थी। इसे लेकर स्थानीय मोहल्ले में लोगों से बातचीत चल रही थी। जहां तक जाम का मामला है। वीकेंड होने से दो-तीन दिनों से लगातार काफी संख्या में टूरिस्ट जयपुर पहुंचे थे। इस कारण ट्रैफिक जाम जैसी स्थिति बन रही थी, जिसे क्लीयर करवा दिया गया। जीप ड्राइवर अपनी बात रखने आए थे। धरने पर नहीं बैठे। ज्ञापन देकर चले गए।

लोग बोले- ड्राइवरों के रजिस्ट्रेशन पर थी सहमति, लागू नहीं किया

स्थानीय लोगों ने कहा- मनीष हत्याकांड के बाद प्रशासन के साथ हुई बातचीत में जीप संचालन शुरू करने से पहले हर ड्राइवरों का रजिस्ट्रेशन, हर जीप के लिए तय ड्राइवर की पूरी जानकारी दर्ज करने और संचालन से जुड़ी गाइडलाइन लागू करने पर सहमति बनी थी। आरोप है कि इन व्यवस्थाओं को पूरी तरह लागू किए बिना ही जीप संचालन रविवार को शुरू कर दिया गया।

इंस्टाग्राम पर देवी-देवताओं पर अभद्र टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

संचार जगत

जोधपुर। जोधपुर के नागौरी गेट थाना पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ अभद्र व भड़काऊ टिप्पणी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान उदयमंदिर क्षेत्र के शाहों की मस्जिद के पास रहने वाले मोहम्मद अमान (20) पुत्र दिलावर हुसैन के रूप में हुई है।

आगामी त्योहारों और पंचायती राज चुनावों को देखते हुए क्षेत्र में शांति और सौहार्द्र बनाए रखने के लिए पुलिस आयुक्त अंशुमन भोमिया के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। थानाधिकारी सुरेश कुमार सोनी ने बताया कि 2 अक्टूबर को इंस्टाग्राम की एक आईडी से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली आपत्तिजनक टिप्पणी की सूचना मिली थी। जब पुलिस ने आईडी को सर्च किया, तो स्क्रीन पर पेज नोट अवेलेबल आ रहा था। इससे अंदेशा हुआ कि आरोपी ने पोस्ट के बाद अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया है।

जोधपुर में नकली ब्रांडेड कपड़ों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

95 लाख रुपये का सामान जब्त

संचार जगत

जोधपुर। पुलिस कमिश्नर अंशुमन भोमिया के निर्देशन में सरदारपुरा थाना पुलिस ने नकली ब्रांडेड सामान की बिक्री के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एसएचओ किशनलाल विश्नोई के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मन्नत कले□शन पर कार्रवाई करते हुए दुकान संचालक मनोज जैन और जितेंद्र जैन के खिलाफ ट्रेडमार्क ए□ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने जितेंद्र जैन को गिर□तार कर लिया है, जबकि मनोज जैन फिलहाल फरार बताया जा रहा है। नामी कंपनियों के लोगो लगाकर बेचने का आरोप पुलिस की कार्रवाई के दौरान दुकान पर LEVI'S, Tommy Hilfiger और CK कंपनियों के लोगो की हूबहू नकल वाले सामान की बिक्री का मामला सामने आया। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, बरामद नकली सामान की कीमत करीब 95 लाख रुपये बताई गई है। कार्रवाई के दौरान संबंधित कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधि अखिलेश सिंह, गोविंद कसाना और महेश सिंह मौके पर मौजूद रहे। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार आरोपी मनोज जैन की तलाश की जा रही है।

जयपुर में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस का लाठीचार्ज

छात्र नेता को हिरासत में लिया, कलाम कोचिंग में स्टूडेंट की पिटाई का कर रहे थे विरोध

संचार जगत



जयपुर। जयपुर के कलाम कोचिंग सेंटर में टीचर ने छात्र की पिटाई कर दी। इस मामले को लेकर रविवार को हंगामा हो गया। बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स सड़क पर उतर आए और कोचिंग टीचर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच झड़प हो गई। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया। इसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने युवा नेता मनोज मीणा को हिरासत में ले लिया। कोचिंग सेंटर में छात्र के पास पर्ची मिलने पर नाराज टीचर ने कई थप्पड़ मारे थे। कोचिंग सेंटर में छात्र के पास पर्ची मिलने पर नाराज टीचर ने कई थप्पड़ मारे थे।

कोचिंग टीचर ने की थी स्टूडेंट की पिटाई

दरअसल, जयपुर की कलाम एकेडमी में 2 अक्टूबर को कोचिंग सेंटर में शिक्षक प्रवीण दान चारण ने एक स्टूडेंट की पिटाई कर दी थी। स्टूडेंट के पास 'कलाम बलिदान मांगता है' लिखी एक पर्ची मिलने के बाद कोचिंग टीचर नाराज हो गए थे। उन्होंने छात्र को थप्पड़ मारने शुरू कर दिए थे। घटना का वीडियो सामने आने के बाद छात्रों ने शिक्षक के व्यवहार पर नाराजगी जताई और कार्रवाई की मांग उठाई।

स्टूडेंट से मारपीट के विरोध में रविवार को युवा छात्र नेता मनोज मीणा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र प्रदर्शन करने के लिए सड़क पर उतर आए। प्रदर्शनकारी संबंधित टीचर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव की स्थिति बन गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और प्रदर्शन कर रहे छात्रों को खदेड़ दिया।

सीकर में जमीन देने के नाम पर 50 लाख ठगे

जमाबंदी में दूसरे के नाम थे खेत, आरोपी अब हाथ-पैर तोड़ने की दे रहे धमकी

संचार जगत



सीकर। सीकर में जमीन देने के नाम पर 50 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। मंडी के कारोबारी से उसके परिचित युवक और परिवार ने ही यह ठगी की। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीकर के सदर पुलिस थाने में कुड़ली निवासी नरेश ओला ने रिपोर्ट देकर बताया कि उनकी सीकर की कृषि मंडी में दुकान है। यहां पर श्यामपुरा का रहने वाला निखिल सुंडा आता-जाता रहता था। निखिल ने अपनी शादी में सामान भी नरेश की दुकान से ही खरीदा था। ऐसे में दोनों के बीच अच्छा व्यवहार हो गया। निखिल, निखिल की पत्नी काजल, पिता जगलाल और मां कमला ने गांव में स्थित अपनी जमीन देने के नाम पर 60 लाख रुपए मांगे। इसमें से 50 लाख रुपए ले लिए। जब नरेश ने बकाया 10 लाख रुपए लेकर एग्रीमेंट बनवाने को कहा तो निखिल और उसके परिवार के लोग बहाने करने लगे। इसपर नरेश को शक हो गया। जब नरेश ने अपने स्तर पर जमीन की जमाबंदी निकलवाई तब उसे पता चला कि यह जमीन तो जगलाल के द्वारा राजेंद्र सिंह पुत्र बलबीर सिंह नाम के किसी आदमी को बेची हुई है। ऐसे में नरेश अपने ससुर के साथ निखिल के घर पर गया तो वहां निखिल, पत्नी काजल, पिता जगलाल,मां कमला देवी ने धमकी देते हुए कहा कि हमें जो रुपए ऐंठने थे वह हमने ले लिए। तुम हमारा कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते। अब अगर ज्यादा करोगे तो तुम्हारे हाथ-पांव तुड़वा देंगे। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

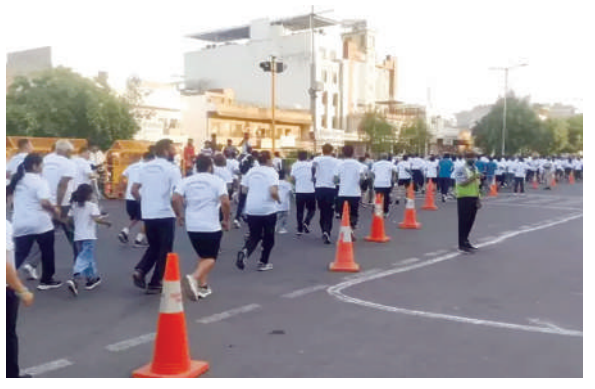
जोधपुर में सेखों आईएएफ हाफ मैराथन: 3500 से ज्यादा रनर्स ने लगाई दौड़

संचार जगत

जोधपुर।भारतीय वायु सेना के एकमात्र परमवीर चक्र विजेता शहीद फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों की याद में रविवार को जोधपुर में सेखों इंडियन एयरफोर्स हाफ मैराथन का आयोजन हुआ। बरकतुल्ला खान स्टेडियम से शुरू हुई इस दौड़ में शहरवासियों, वायुसेना के जवानों और विद्यार्थियों सहित 3500 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मैराथन में जोधपुर की जनता का जबरदस्त रिस्पांस देखने को मिला। इसमें 250 से ज्यादा विदेशी धावकों और 150 से ज्यादा स्कूली बच्चों की मौजूदगी खास आकर्षण का केंद्र रही।

तीन कैटेगरी में हुई दौड़

मैराथन का आयोजन 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की तीन श्रेणियों में किया गया। स्टेडियम से शुरू होकर यह दौड़ शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जहां जगह-जगह लोगों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। पूरी दौड़ के दौरान फिटनेस, अनुशासन, एकता और देशभक्ति का संदेश देखने को मिला। एयर फोर्स स्टेशन के चीफ एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिसर ग्रुप कैप्टन त्रिलोक शर्मा ने बताया मैराथन को लेकर जोधपुर के लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा गया।



स्वामित्व, प्रकाशक एवं संपादक : अवंतिका राठौड़ - पी.के. प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, 31, राम मंदिर के पास, पटेल नगर, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यालय : जे-17, रमेश मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।
संपर्क : 0141 463 7668 । ई-मेल : sancharjagatkhabar@gmail.com । आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/55262। समाचार चयन के लिए पीआरबी अधिनियम के तहत जिम्मेदार। न्यायाधिकार क्षेत्र : जयपुर महानगर।